हे डमरूधर शिव नटराजन, हम भी तुमको दिल दे बैठे

हे डमरूधर शिव नटराजन, हम भी तुमको दिल दे बैठे,

हे डमरूधर शिव नटराजन,
हम भी तुमको दिल दे बैठे,
इक दिल ही तो बस प्रभु था अपना,
यह दिल भी तुम्हारा कर बैठे,
हे डमरूधर शिव नटराजन-----

दिल कहता है तुम दानी हो,
पर मन कहता कैसे मानूँ,
कभी आओ हमें दरसन देने,
फिर हम भी कहें मेरे हो बैठे,
हे डमरूधर शिव नटराजन-------

शिव सत्य तुम्ही भगवंत तुम्ही,
ब्रह्म अनादि अनंत तुम्ही,
मन भूल से भी न गुणगान करे,
तुम हो कि मुझे अपना बैठे,
हे डमरूधर शिव नटराजन-------

हे रामचरन अनुरागी शिव,
हे अबिनासी बैरागी शिव,
अब ऊर धरी नित तुमको ध्याऊँ,
अज्ञान हमारा सब हर बैठे,
हे डमरूधर शिव नटराजन,
हम भी तुमको दिल दे बैठे,
इक दिल ही तो बस प्रभु था अपना,
यह दिल भी तुम्हारा कर बैठे----।।

आभार: ज्योति नारायण पाठक
वाराणसी

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/6235/title/hey-damrudhar-shiv-natrajan-hum-bhi-tumhko-dil-de-bethe

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |